

सुखमहावला ॥ ६ ॥ मं ॥ मृगष्टवे वाचनचक्रवर्हिनी ॥
७ ॥ कं ॥ ज्ञानद्वयवज्रसुखमहावीर्या ॥ ८ ॥ लूकिकायवक्रः
सुखानालवसाती ॥ ९ ॥ जकिनीवक्रवामासुखं सुखा
हावृषीनिगजवर्मसूखा ॥ काकास्यावजसूला ॥ उलकास्या ॥ मृ
कं ॥ १० ॥ सुनास्यावजकहि ॥ सुकलास्या उमवृकं ॥ यमजानी ॥

कयाल॥यमइतीया॥यमदंष्ट्रावमनीली॥यममथनीपत्रम्
वाधिविरुमुरुगुचवकु॥ ॥पृथिवीधातुपातनीम्
प्राकृमाविनी॥रुगाधातुनाकर्षनी॥वायूधातुपमनुरुहनी॥
॥यममथनीपत्रम्॥वृषत्क॥धवेशाचन॥वदनात्के॥ध
वजा॥धपमनुरुहनी॥संस्कारत्क॥धवजनाज

॥विरुमुरु॥धवजसत्त्व॥ ॥सर्वकथागत॥त्वगीहवृवज॥व
कृष॥वज॥॥आनय॥धवज॥आनय॥धवज॥वकुमया
जागवज॥सम्यर्गमात्ससूर्यवज॥सर्वजयनिष्पवज॥ ॥
विरुमुरु॥वाक्मृमिनारु॥कायवेशाचन॥ ॥३॥
ह॥हृदि॥वजसत्त्वमनसि॥सिलसिवेशाचन॥स्वाहाहंसत्वायां

१८
१८



॥ यमनर्हं भववायट् ॥ स्वभदहनूक ॥ हूं हूं हूं हावकृषा ४ वग
 सूर्यहट् सर्वागा ॥ ओं वं नाहे ॥ वजवागहि ॥ हां यां हृदियामि
 नी ॥ कौ मां वकु माहिनी ॥ हूं कौ सिलसि संवाविनी ॥ हूं हूं सिखा
 यां ॥ संजासनि ॥ हूं श्वष्टिकायां सर्वाण्यस्तु ॥ ॐ ॥ अथ म
 उमराखन् ॥ श्रीकाशमन्त्रं हकाशहृदुवर्जिनी ॥ नृकाशः

वृषनासार्थककाशमन्त्रं हकाशहृदुवर्जिनी ॥ सर्वसत्त्वधनरुताशुक्रवर्ज
 दिशुक्तसन्वर्मात्मानं हावयन् ॥ ॐ ॥ ओं श्रीवजहनूकहूं हूं
 हूं जाकिनीजालसंन्वयं स्वाहा ॥ ओं वजवागहि हूं हूं ॥ ओं केश
 खण्डुपालिनी यहूं हूं ॥ ओं प्रवृद्ध हूं हूं ॥ स्वाहा ॥ ओं कलू २ मः
 हाकं काशहूं हूं ॥ ओं वृद्धा क्री हूं हूं स्वाहा ॥ ओं वन्ध २ फं काशहूं हूं

४५
 ॥ ५ ॥

॥ॐ॥ यहा मनी स्वाहा ॥ॐ॥ कासय २ वि कट्ट द्यि न हूँ रुद्र महाना
स स्वाहा ॥ॐ॥ कासय २ सु ना वे वि धिय हूँ रुद्र वी न मनी य स्वाहा
ॐ॥ की मी ना हूँ रुद्र खर्व वि य स्वाहा ॥ॐ॥ हूँ श्वरु य रु हूँ रुद्र
लं क स्व वि य स्वाहा ॥ॐ॥ हूँ श्वरु द हूँ रुद्र क म दू य स्वाहा ॥ॐ॥

रुद्र २ अं कु लिक हूँ रुद्र न वा व कि य स्वाहा ॥ॐ॥ द हूँ श्वरु रु टि
य स्वाहा ॥ महा हूँ व वि य स्वाहा ॥ॐ॥ रु रु श्वरु हूँ का न स वृ धि ना
क माला व लं वि न हूँ रुद्र ॥ सु ना रु कि स्वाहा ॥ॐ॥ रु रु २ सु रु द स
फ या ना ल ग कं रु रु ग स र्व वा रु रु र्य २ हूँ रुद्र त्या मा द वी य स्वा
हा ॥ॐ॥ आ क य २ व रु रु द हूँ रुद्र सु रु द स्वाहा ॥ॐ॥ की २ महा हूँ व

२०
१०

वह्नेहृदयक (धूस्वाहा॥) ओं हूं २ विवृपाक हूं हृदयगाननस्वा
हा॥ ओं क्रौं २ महावल हूं हृदयकवगस्वाहा॥ ओं वत्तव हूं हृदय
वधुवाह स्वाहा॥ ओं क्रौं २ हयक (धूहृहृ साधुनीय स्वाहा॥
ओं हूं २ आकासगर्ह हूं हृदय॥ वक्रवर्हिनीय स्वाहा॥ ओं किलि २
हृवृक हूं हृदय सवीय स्वाहा॥ ओं मिलिशय मनरुं वधव हूं हृदयम

हावय स्वाहा॥ ओं किलि २ वेवावन हूं हृदयकवर्हिनीय स्वाहा॥
ओं धिलि २ वज्रसत्त्व हूं हृदय महावीर्य स्वाहा॥ महाक जायमूक
सकपमकु विधानक॥ वज्रसत्त्वपयाधन जायहावना॥ कस्य
व॥ सिधमकु महाविद्या॥ मकु साधनमरुं मम॥ प्रविशमधु
लमकु॥ कायवाकु बिरुहावने॥ ४ ॥ मकुलं देवनाथा

ता॥ सर्वसिद्धिप्रदायकम् ॥ ४ ॥ ॐ मिथी कल्याणकरः
कुंभधीवक्रसम्भवारुमसमाफ॥ ॐ - ॥ शुभं ह्याह ॥ शुद्धं
वामशुद्धवाममदामनदीयक ॥ ० ॥ ४ ॥ ॐ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धनसल्लाघिसिंधिलनः
यिलवाय ॥ ॐ उद्यातारुवचक्रकानिबधूता विष्णुद्वाराहास

वा दग्धविद्रिक्तया छिन्नाकमहिता पियूषधनासूतावृद्धः
स्नानरसाविना विकल्पासा नन्दसंदाह्वाराणां तावविचार
ना विवहिका वा वाहिका पादुव ॥ मल्लाहिमवाय ॥ तावनाक
या ॥ ॐ निर्मानादिदिनसमधुलगताकायादिवर्धुवता या
कालाकालकालान्तरसवास्तुकाकसुधापमा विद्यावृद्धक

उन्मयहिनयश्चक्रुः पारुदिन स्नानया ललिताई गार्हपत्य
 धावावाहिकावरुसि॥ निर्मात्रवक्रुः स्मिन्वकाव चस्मिहिल
 कनिष्ठरुवर्नगत्वा ऊगदर्थमाकषय समयसत्वं हावयत्॥
 अर्थपाउस अर्थया लेखकयवाश्च॥ हँ हँ हँ हँ आशीवक्रुवाः
 नाहि प्रवचसत्कावाय पाशादि अर्थ आचमनं प्राक्रमनं प्र

तिष्ठ स्वाहा॥ ऊँ हँ हँ हँ हँ ॥ ॥ सत्ताहि सत्तात्रवायदा
 य॥ ओँ ओँ ओँ सर्ववृद्धा किनीयवज्रपूर्य्यप्रतिष्ठ स्वाहा॥ ओँ वः
 ऊवधूनीयवज्रपूर्य्यप्रतिष्ठ स्वाहा॥ ओँ वज्रवेनावनीयव
 ज्रपूर्य्यप्रतिष्ठ स्वाहा॥ दधूस ॥ ओँ आ ध्यादि यात्रवज्रपूर्य्यप्रः

२३

किं ह्यस्वाहा ॥ हुजान ॥ ओं आः पूर्ण गीरीयवज्र पूष्यं प्रकिं ह्यस्वा
हा ॥ खडास ॥ ओं आः शिहनायवज्र पूष्यं प्रकिं ह्यस्वाहा ॥ थः
न ॥ ओं आः कामवपीनीयवज्र पूष्यं प्रकिं ह्यस्वाहा ॥ ऊडास ॥
ओं आः धर्मकायवज्र पूष्यं प्रकिं ह्यस्वाहा ॥ खडाकाथूकूनस

ओं आः निर्मानकायवज्र पूष्यं प्रकिं ह्यस्वाहा ॥ खडाथथूकूनस ॥
ओं आः महासूषवकायवज्र पूष्यं प्रकिं ह्यस्वाहा ॥ ऊ
डाथथूकूनस ॥ ओं आः संकागकायवज्र पूष्यं प्रकिं ह्यस्वाहा
ऊडाकथूकूनस ॥ यदिगसंख्यान ह्यस्वाहा ॥ ओं आः नदाव

भी॥तालमाथ॥बासादहिन॥वज्रशगिनी॥धी॥थनमझाफडागीतहाडातनर
 मझातुषनेगीत॥धन२॥वीववर्थातस॥गीत॥चक्रिदुल॥समपूजागीत॥
 बाग॥नाट॥ताल॥डटि॥कशन॥बागनाट॥तालकमि॥सकलक॥सूजाभाय
 गीत॥बाग॥सादहाय॥कथागरुवर्या॥गीत॥बाग॥ताडि॥तालमाथ॥सुपमि
 मल्लिक॥सलुलप्रदडीना॥गीतनिर्गुव॥वाहिलहिय॥गीत॥विहंअ॥निष
 भय॥गीत॥बागवलादि॥ताल॥मय॥काठूलवसा॥सलवज्रसगीत॥ताखन

अथ भक्तवत्सल

ALMA RECHERCHES

405

धूमिद्विविधकृया॥ इविनापूर्वयाकं॥ सोसाहनि याकं॥ न॥ गुनसुलगी
 न॥ मधुमनू॥ इतिमाधि॥ गीत॥ मूनि॥ कलशपूजा॥ गीत॥ मूनि॥ भूमी॥ थप
 न॥ गीत॥ पीनिलाय॥ मासकि पूजा॥ गीत॥ चक्रवर्ध॥ धूपनमस्क॥ दवपूजा॥ गी
 क॥ उचक्र॥ ग्राहनिविय॥ गीत॥ कलितवजानय॥ सोसाहनि॥ गीत॥ कासाव
 लासिग्रह॥ गीत॥ हाउग्राह॥ उपयमालकाहाल॥ वाहिलहिय॥ गीत॥ वेकि
 द॥ सुले॥ सीहालगीत॥ गीत॥ २॥ गसचक्रगीत॥ सावच॥ धूमिद्विविनापूर्वयाक

४४॥ चक्रप्रवाहयाक॥ गुनसुलस॥ गीत॥ मधुमनू॥ इतिमाधिगीत॥ मूनि
 ल॥ मासकिपूजा॥ गीत॥ चक्रवर्ध॥ धूपगीत॥ नमस्क॥ दवपूजा॥ मद्रूपूजा
 गीत॥ उचुवनकलित॥ गसचक्र॥ कासाव॥ मूलपूजागीत॥ हाउग्राह॥ वाहिल
 पूजागीत॥ नाग॥ मधुमनू॥ उपयमालकाहाल॥ वाहिलहिय॥ गीत॥ वेकि
 गंधारुववि॥ तालवस्यनि॥ धूमिगमि॥ सावच॥ गीत॥ प्रमादिता॥ उपयमालका
 हाल॥ स्वमामसुधिल॥ गीत॥ धूमि॥ नूतिचक्रपूजावकर्मयाक॥ ० ॥ सिद्धा

इतिथकूयाक॥ अर्थकचम॥ गीत॥ हाठाकच॥ मडाकचन॥ गीत॥ धन॥
 कमनिकास॥ नदिनमत्का॥ योगमाला॥ गीत॥ विन्धमनह॥ मडाकाय॥ गीत॥
 हनसि॥ मलाचार्यनृथगीत॥ नमहिम॥ मूलनृथगीत॥ विभुवनक॥
 भिषायवसगीत॥ हं हं नम॥ भिषयनवजवाहादिमुल्लेयाक॥ गीत॥ मधमन॥
 समाधिगीत॥ अनिल॥ मामकिपूजा॥ गीत॥ वकवर्थ॥ धूपगीत॥ नम॥ दंडापूजा
 गीत॥ चरुनवि॥ मल॥ उकाल॥ निर्मनादि॥ सयपूजागीत॥ कअम॥ गीत॥ सक

चक्र ॥ सिलाहृति यहुयाक ॥ गुचमकुलस ॥ गीतमध्वमन्मदिसमाधि ॥ गीत ॥ श्रुति
ल ॥ कलसयुजागीत ॥ अतुरुच ॥ अग्निस्त्रयन ॥ गिरुति निलायन ॥ मामकिपूजागीत
चक्रवर्क ॥ वपगीत नमह ॥ देवयुजागीत ॥ निर्मनादि ॥ श्राद्धविय ॥ गीतकालिकवडा
मन ॥ मोसाहृति ॥ गीतकाला ॥ श्रुति ॥ गीत ॥ सर्वद्व ॥ नृपकार्य ॥ सगलिग्रह
न ॥ गीत ॥ हाजहचरा ॥ उपमालकाहाल ॥ बाहिलयिये ॥ वकिहकुल ॥ सेहनागीत
मय ॥ गुचमथ ॥ श्रुति ॥ नृपकार्य ॥ गीत ॥ ईविनि ॥ मडाकायगीत ॥ स्व

दसहाय॥ गायक॥ गीत॥ शास्त्रचरु॥ ७७ कितिका कूक याक॥ सिद्धा का काय याक
॥ आपराधन का॥ कस पाठने हि॥ गीत॥ धव २ पंच सा लिला हया॥ गीत सा डारु न
॥ उपमा की हल॥ बहिल हि॥ गीत॥ चक्रि पूरु॥ संहो न गीत॥ कथं यी॥ गीत
चक्र गीत॥ शास्त्र॥ धृति सिद्धा का काय क॥ सिद्ध सा ह्य या क॥ गुनम
॥ लस गीत॥ मधु मय॥ चरु मय प्रकाश॥ गीत निर्माता दि॥ कुरु प्रकाश॥ गीत॥
बाग॥ गंधारु ववि॥ काल॥ मय॥ ७८ दहा॥ चक्र या गी॥ नी पूजा॥ गीत क॥ हि॥ काल

मय॥ चक्र या गीती॥ अरु ७९ नयू जा गीत॥ बाग रु ववि॥ काल मय॥ ८० आरु॥ गीत
सा वि॥ गीत॥ मूलिल॥ कल गायु जा॥ गीत॥ अरु रु व॥ माम कि पूजा॥ गीत॥ चक्र व
॥ ८१ वय गीत॥ नमरु॥ दव ववा॥ गीत॥ बाग विलासा॥ काल माथ॥ दी रु ज प्रव मूखा॥
यक सा लिग्रहन॥ गीत॥ हा ज रु ववा उपमा कं हल॥ बहिल हि॥ गीत॥ चक्रि पूरु॥
संहो न गीत॥ कथं यी॥ मधु चक्र गीत॥ शास्त्र चरु॥ सख वति विय॥ गीत पु मा दि
मा॥ उपमा लकी॥ खमाम लथिले गीत॥ वै विनी॥ धृति सिद्ध सा ह्य या क॥ गुनम

यथाक॥ गुप्तम॥ लगीत॥ म॥ म॥ पंचम॥ लिपूजा॥ गीत॥ रंग॥ क॥ हरी॥ समाधिगीत॥ म॥
 निल॥ साम॥ कि॥ पूजा॥ गीत॥ न॥ क॥ व॥ र्क॥ प॥ गीत॥ न॥ स॥ र्क॥ दे॥ व॥ पूजा॥ सा॥ वि॥ य॥ ह॥ न॥ गीत॥ क॥
 ग॥ र॥ व॥ न॥ उप॥ मा॥ धी॥ ह॥ ल॥ वा॥ हिल॥ हि॥ य॥ गीत॥ व॥ कि॥ र्क॥ पु॥ न॥ थू॥ कि॥ पु॥ न॥ स॥ य॥ या॥ की॥ थ॥
 वृ॥ ति॥ कि॥ व॥ य॥ या॥ व॥ वा॥ क॥ र्क॥ रू॥ ला॥ म॥ ज॥ न॥ म॥ ग्री॥ क॥ र्क॥ वा॥ ना॥ हि॥ महा॥ वि॥ ई॥ न॥ पू॥ जा॥ या॥ व॥
 या॥ क॥ र्क॥ य॥ थ॥ म॥ म॥ र्क॥ य॥ त॥ व॥ स॥ म॥ य॥ न॥ म॥ डा॥ पू॥ जा॥ गीत॥ हा॥ उ॥ हा॥ न॥ म॥ डा॥ रू॥ व॥ ना॥ गी॥
 त॥ ध॥ व॥ २॥ रु॥ म॥ नि॥ का॥ स॥ न॥ दि॥ न॥ म॥ स्का॥ व॥ वा॥ ग॥ म॥ ला॥ गीत॥ वि॥ ध॥ व॥ स॥ वा॥ न॥ रू॥ म॥ डा॥

का॥ वा॥ य॥ गीत॥ ह॥ न॥ सि॥ व॥ म॥ ल॥ न॥ र्क॥ गीत॥ उ॥ म॥ हि॥ म॥ ल॥ म॥ ल॥ न॥ र्क॥ गीत॥ जि॥ उ॥ व॥ न॥
 क॥ लि॥ क॥ गीत॥ प्र॥ मा॥ दि॥ क॥ रू॥ मी॥ ध॥ व॥ न॥ स॥ गीत॥ व॥ ज॥ म॥ य॥ रू॥ मी॥ व॥ रू॥ ध॥ वा॥ धि॥ वा॥ स॥ न॥
 गीत॥ गे॥ ध॥ म॥ ल॥ वा॥ ग॥ ता॥ दा॥ म॥ ल॥ क॥ ते॥ वा॥ ग॥ म॥ ध॥ म॥ ग॥ म॥ ल॥ इ॥ र्क॥ मी॥ ल॥
 नि॥ र्क॥ म॥ धी॥ ल॥ गीत॥ नि॥ मी॥ ना॥ दि॥ गीत॥ क॥ र्क॥ ह॥ गीत॥ स॥ र्क॥ यो॥ गि॥ नी॥ वा॥ ग॥
 म॥ ला॥ इ॥ म॥ ल॥ मा॥ थ॥ म॥ नि॥ या॥ की॥ न॥ स॥ न॥ क॥ व॥ द॥ न॥ धी॥ वा॥ ग॥ ह॥ न॥ वि॥ ता॥ स॥ म॥ प॥
 क॥ रु॥ नि॥ हा॥ न॥ वा॥ ग॥ ता॥ दि॥ म॥ ल॥ मा॥ थ॥ पू॥ र्व॥ धा॥ व॥ स॥ प॥ नि॥ म॥ लि॥ क॥ धी॥ धी॥ ति॥

गीतासुप्रतिमल्लिकविश्वनाथागीत॥ शौखवज्रक॥ पूजाइत्य॥ गीतमधु
मव॥ धलिगीत॥ गंधमधुल॥ सयकूमाविपूजा॥ गीत॥ वाग॥ वाडि॥ तालमा
थ॥ वाचाद्विधिल्लि॥ गीतषथांगनी॥ गीत॥ गोकुदहंत॥ गीत॥ अश्रुद्वं॥ गीत
मृनिल॥ गीतमृनूरुच॥ गीत॥ वक्रवर्ध॥ धूपयात्यनृथगीत॥ नमद्वं॥ ६३
पूजागीत॥ विदुक्तकमूखा॥ बालपूजागीत॥ नागहंविधि॥ तालमय॥ पूर्व
वागानि॥ पूर्वप्रभायनीर्ध॥ सयपूजागीत॥ कउतिसकलजा॥ गीतप्रमदि

मधुल॥ गीतधूमिगानि॥ गीतकुर्यवाकलि॥ गीतग्रहन॥ गीत॥ हाग्रहवत्॥
उपमालेकीहाले॥ संहलगीत॥ जयेश॥ वाग॥ वसीत॥ ताल॥ मया॥ चन्द्रश्रुदित
जिनवलकननिधे॥ चहस्पजाशा॥ गीत॥ वागपंचमा॥ तालमाथ॥ मूखनावि
गीत॥ चंडाग्रम॥ मूल्यनवप्रव॥ गीत॥ द्विविनि॥ मद्रा॥ भायगीत॥
भादभाहाय॥ मूलचक्रया॥ मूलपूजागीत॥ कालवृ॥ पायग्रहक॥ गीतउमिता
गीत॥ चंद्राग्रम॥ गीतधूमिगानि॥ लववलि॥ गीतप्रमादिता॥ धमा॥ मधुल

सगीतद्वीवेनी॥ इति महावहस्ययाचयार्थरुल॥ अंनमः श्रीपद्मनृत्तस्य
हृदिसातथयाचयार्थकथ॥ पथमंरुमीसुधन॥ गीतवज्रमथरुमीश्रुका॥ वसुंधा
नाधिवत्तनागीतगीधमधुल॥ मृदाधुजागीत॥ हाजहवत्ता॥ मृदानेदिता॥ गीत
धवश॥ जमनिकासा॥ नदिनमस्कावा॥ राग॥ मालागीतविष्यसहस्र॥ जम्बुलि
काकागाथा॥ हवत्तवत्तलचरुगीता॥ प्रमहिमधुल॥ मलनृत्तगीत॥ विरुचन
कालि॥ मालिकापूजागीतमृकालसंज्ञक॥ वज्रववत्तगीतद्विरीडिनाथ॥

केलनकाय॥ गीत॥ अथवज्र॥ मलनृत्तगीतप्रभादिता॥ गुनमधुलगीत॥ मधुम
पुत्रिमसाधिगीत॥ मृनील॥ मामकिपूजागीत॥ वक्रवत्त॥ धूपगीतनेतदे॥
दुतापूजागीतविचक्र॥ धूपयास्तीसर्वतनृत्तनि॥ गीतनमह॥ चउथागितीनृ
त्तनिपगीत॥ पूर्व॥ नागनवात्रि॥ तालमाथा॥ मृत्तनिनीजताम्रक॥ दिठ॥
मह॥ विरुचकायावत्तनिनृत्तगीत॥ नागलसितातासमाथाविरुच
काय॥ वायुकाया॥ शुभक॥ पाथवकाया॥ शुभका॥ विचक्रादिमचउ

